मेट्रो ने तय किया एयरपोर्ट का सफर

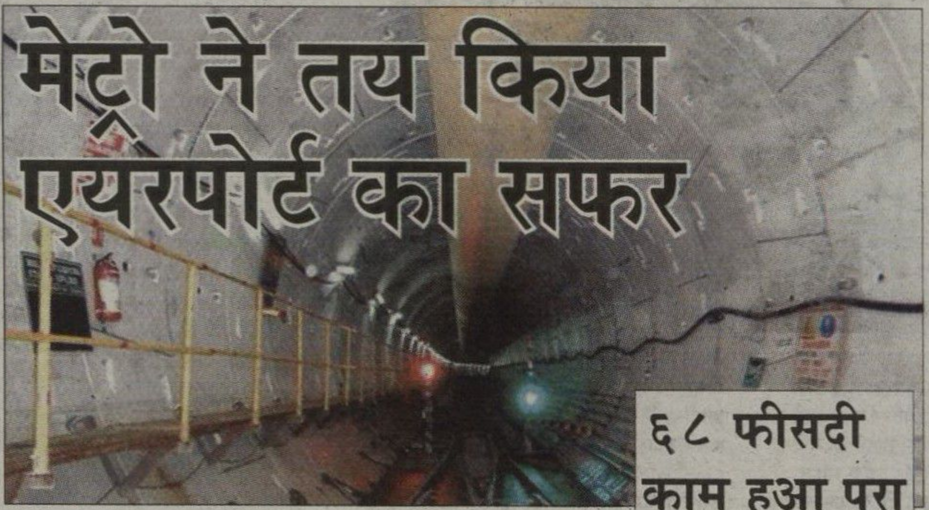

६८ फीसदी काम हुआ पूरा

मुंबई में अंडर ग्राउंड मेट्रो का पहला चरण कुलाबा से सिप्ज के बीच दिसंबर २०२० में शुरू करने का लक्ष्य मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने रखा है। अंडर ग्राउंड मेट्रो की टनल खुदाई का काम काफी तेज गति से हो रहा है। वर्तमान में अंडर ग्राउंड मेट्रो की टनल खुदाई का काम छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट टी-१ तक पहुंच गया है यानी मेट्रो इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक पहुंच चुकी है।

- कुल ५६ किमी में ३७ किमी रूट तैयार
- एक घंटे में कुलाबा से पहुंचेंगे सिप्ज
- प्रदूषण-ट्रैफिक बाय-बाय

सरोकार

♦ सुजीत गुप्ता

३७ किमी रूट तैयार

अंडर ग्राउंड मेट्रो का ३७ किमी रूट तैयार हो चुका है, जो कि कुल टनल खुदाई का करीब ६८ फीसदी है। विद्यानगरी से खुदाई करते हुए टीबीएम गोदावरी-२ ने २,८६७ मीटर डाउन लाइन की दूरी २०४८ रिंग्स के उपयोग के साथ तय की है। ये पैकेज-६ का चौथा टीबीएम है, जो आर-पार हुआ है। अप- डाउन रूट मिलाकर कुल दूरी ५६ किलो मीटर की है।

१ घंटे में कोलाबा टू सिप्ज

मेट्रो-३ के शुरू हो जाने पर कुलाबा से सिप्ज की दूरी तय करने में महज एक घंटे का समय लगेगा। ३३.५ किमी मेट्रो रूट पर कुल २६ स्टेशन होंगे

बिजनेस हब से कनेक्टिविटी

अंडर ग्राउंड मेट्रो-३ रोजगार केंद्र सहित मुंबई के ६ बिजनेस हब से कनेक्ट होकर गुजरेगी। इनमें नरीमन पॉइंट, कफ परेड फोर्ट, लोअर परेल, बीकेसी और सिप्ज/एमआईडीसी का समावेश है। इसके अलावा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल एयरपोर्ट को भी कनेक्ट होगी।

प्रदूषण- ट्रैफिक को टाटा-बाय-बाय

मेट्रो-३ के शुरू हो जाने पर इसका असर प्रदूषण कम होगा और ट्रैफिक समस्या सुलझेगी। मेट्रो-३ अंडर ग्राउंड होने के कारण मुंबईकरों को प्रदूषण और ट्रैफिक को टाटा-बाय-बाय कहना पड़ेगा। मेट्रो-३ से रोजाना ४,५६,७७१ वाहनों के फेरे घटेंगे। २.५ लाख लीटर रोजाना ईंधन की बचत होगी। ध्वनि प्रदूषण कम होगा। साथ ही २.६१ लाख मीट्रिक टन सालाना प्रदूषण में गिरावट दर्ज होगी।

लोकल के घटेंगे यात्री

मेट्रो-३ का असर लोकल पर भी पड़ेगा। एमएमआरसी के मुताबिक लोकल यात्रियों की संख्या में करीब १५ फीसदी गिरावट दर्जहोगी।

३-४ मिनट में मिलेगी मेट्रो

अंडर ग्राउंड मेट्रो का सफर करने के लिए यात्रियों को लंबा इंतजार नहीं करना होगा। महज ३-४ मिनट में मेट्रो की सर्विस मिलेगी। प्रत्येक मेट्रो ट्रेन २,५०० यात्रियों को एक बार में ढोएगी। रोजाना मेट्रो-३ से १७ लाख यात्री सफर करेंगे।

सुरक्षा और संरक्षण

मेट्रो में यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षण का पूरा ख्याल रखा जाएगा। प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर, लगेज स्क्रीन यंत्र, बंद दरवाजे की कार, महिलाओं की सुरक्षा, २४ घंटे सीसीटीवी सर्विलेंस आदि सुविधा होगी।